भारत सरकार
अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या : 2923
उत्तर देने की तारीख : 06.08.2025

मौलाना आज़ाद राष्ट्रीय फैलोशिप के तहत वजीफा

2923. श्री प्रद्युत बोरदोलोई:

क्या **अल्पसंख्यक कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश भर के विश्वविद्यालयों में अनुसंधान करने के लिए मौलाना आज़ाद राष्ट्रीय फैलोशिप (एमएएनएफ) के अंतर्गत वर्तमान में वजीफा प्राप्त करने वाले विद्वानों की संख्या कितनी है;

(ख) एमएएनएफ के लिए सरकार द्वारा राष्ट्रीय अल्पसंख्यक विकास एवं वित्त निगम (एनएमडीएफसी) को अंतिम बार धनराशि हस्तांतरित करने का ब्यौरा क्या है और यह धनराशि कितनी है;

(ग) क्या सरकार ने दिसंबर 2024 में फैलोशिप के अंतर्गत बकाया राशि प्राप्त न करने वाले विद्वानों की रिपोर्टों का संज्ञान लिया है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(घ) यदि हाँ, तो क्या सरकार इस मुद्दे के समाधान के लिए कोई कार्रवाई करने की योजना बना रही है; और

(ङ) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

अल्पसंख्यक कार्य मंत्री
(श्री किरेन रीजीजू)

(क) 30.07.2025 तक, मौलाना आज़ाद राष्ट्रीय अध्येतावृत्ति (MANF) योजना के अंतर्गत हाल ही में कुल 868 विद्वानों को अध्येतावृत्ति प्राप्त हुई है।

(ख) से (ङ) दिनांक 14.07.2025 के स्वीकृति आदेश के माध्यम से 24 करोड़ रुपये की राशि जारी की गई है और विश्वविद्यालयों द्वारा समर्थित सभी पात्र मौजूदा MANF अध्येताओं को NMDFC द्वारा जून, 2025 तक अध्येतावृत्ति राशि जारी की गई है।

*****